भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) का न्यूज लेटर

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

विक्रम सम्वत् - 2078 ● मासिक पत्र : अक्टूबर 2021 ● पृष्ठ : 4 ● दिल्ली

भिवानी के इतिहास में पहली बार
'जय भवानी-जय भिवानी अखंड जोत यात्रा'

जय भवानी - जय भिवानी रथ यात्रा

भिवानी परिवार मैत्री संघ

का आयोजन

पहाड़ी माता(नकीपुर) से यमुना तट दिल्ली तक

नवरात्र (7 अक्टूबर 2021 से 14 अक्टूबर 2021 तक)

श्री पहाड़ी माता

श्री देवसर वाली माता

श्री भोजा वाली माता

नवरात्र - कार्यक्रम

दिनांक	समय	कार्यक्रम	स्थान
7 अक्टूबर 2021	प्रात : 7 : 00 बजे	ज्योति प्रचंड	श्री पहाड़ी माता मंदिर नकीपुर, भिवानी
7 अक्टूबर 2021	प्रात: 9:00 बजे	ज्योति प्रचंड	श्री देवसर धाम, भिवानी
7 अक्टूबर 2021	प्रात: 11:00 बजे	ज्योति प्रचंड	श्री भोजावाली देवी, भिवानी
7 अक्टूबर 2021	सायं 6:30 से 9:00 बजे	महामाई का गुणगान	शव मंदिरए बी-3 ब्लाक, पश्चिम विहार, ज्वाला हेडी मार्किट के पीछे, दिल्ली-63
8 अक्टूबर 2021	प्रात: 8:00 से 10:00 बजे	नवरात्रा यज्ञ	मंदिर प्रांगण, चेतक अपार्टमेंट, एन के बगरोदिया पब्लिक स्कूल के पास, सैक्टर-9, रोहिणी, दिल्ली-85
8 अक्टूबर 2021	सायं 6:30 से 9:00 बजे	महामाई का गुणगान	अग्रवाल भवन, बी ब्लॉक, प्रशांत विहार, दिल्ली-85
9 अक्टूबर 2021	प्रात: 8:00 से 10:00 बजे	नवरात्रा यज्ञ	शिव मंदिर, सी डी ब्लाक, नजदीक रुकमनी देवी स्कूल, पीतमपुरा, दिल्ली-34
9 अक्टूबर 2021	प्रात: 6.30:00 से 9:00 बजे	महामाई का गुणगान	राम मंदिर, राज नगर, ब्रिटानिया चौक, रानी बाग, दिल्ली
10 अक्टूबर 2021	प्रात: 8:00 से 10:00 बजे	नवरात्रा यज्ञ	धर्म शक्ति मंदिर, गुफा वाला, नजदीक डी ए वी स्कूल, शालीमार बाग, दिल्ली-88
10 अक्टूबर 2021	सायं 6:30 से 9:00 बजे	महामाई का गुणगान	गीता भवन, 5-6-7 इ, कमला नगर, दिल्ली-7
11 अक्टूबर 2021	प्रात: 8:00 से 10:00 बजे	नवरात्रा यज्ञ	एच-2/7ए, मॉडल टाउन-2 ईस्ट, दिल्ली-110009
11 अक्टूबर 2021	सायं 6:30 से 9:00 बजे	महामाई का गुणगान	राम मंदिर, रामजस रोड, करोल बाग, दिल्ली-5
12 अक्टूबर 2021	प्रात: 8:00 से 10:00 बजे	नवरात्रा यज्ञ	श्री मोहनकुंड मंदिर, साउथ सिटी फेस 1, होटल ताज विवांता के सामने, गुरुग्राम
12 अक्टूबर 2021	सायं 6:30 से 9:00 बजे	महामाई का गुणगान	श्री गंगेश्वर महादेव पुष्प प्रेम शिव मंदिर, डी-319ए, सैक्टर-11, फरीदाबाद
13 अक्टूबर 2021	सायं 6:30 से 9:00 बजे	महामाई का गुणगान	F4 APML Niwas Benito Juarez Marg, Anand Niketan, Opp. Moti Lal Nehru college, New Delhi
14 अक्टूबर 2021	सायं 6:30 से 9:00 बजे	महामाई का गुणगान	श्री प्राचीन हनुमान मंदिर सिंगला स्वीट्स के साथ मधु विहार आईपी एक्सटेंशन दिल्ली-92 निकट हसनपुर बस डिपो पूर्वी दिल्ली

राजेश चेतन 9811048542 | **दिनेश गुप्ता 9810003215** | **संजय जैन 9810032754** | **विनय सिंघल 9999190575** | **मनीष गोयल 9811195512** | **विनोद देवसरिया 9810311897**

नवरात्रि में इंसान अपने अंदर की नकारात्मकता पर विजय पा सकता हैं और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कर सकता हैं। जिस तरह माँ के गर्भ में 9 महिने पलने के बाद ही एक जीव का निर्माण होता हैं ठीक वैसे ही ये 9 दिन हमे अपने मूल रूप, अपनी जड़ों तक वापस ले जाने में अहम भूमिका निभाते है। इन 9 दिनों का ध्यान, सत्संग, शांति और ज्ञान पाने के लिये उपयोग करना चाहिए। जय भवानी जय भिवानी रथ यात्रा का उद्देश्य भी लोगों को उनकी कुल देवियों, जन्मभूमि से जोड़ने का हैं।

भिवानी जिले की तीनों प्रमुख देवियो की छवि व अखण्ड ज्योत लेकर यह रथ दिल्ली में आपके द्वार पर आ रहा हैं। वर्तमान में जो लोग भिवानी जिले के हैं वो ही भिवानी परिवार मैत्री संघ के सदस्य बन सकते है लेकिन जय भवानी जय भिवानी यात्रा के बाद वो लोग भी भिवानी परिवार मैत्री संघ के सदस्य बन सकते है जिनकी कुल देवी, कुल देवता या उनके गुरु स्थान भिवानी जिले में है ।

रथ यात्रा (श्री पहाड़ी माता धाम) के यजमान

श्री शंकर लाल नकीपुरिया

श्रीमती संतोष सिंघल

रथ यात्रा (पीतमपुरा-1) के यजमान

श्री महादेव जिंदल

श्रीमती निर्मला जिंदल

रथ यात्रा (सैंट्रल दिल्ली) के यजमान

श्री सुरेश जैन

श्रीमती निर्मल जैन

रथ यात्रा (देवसर धाम) के यजमान

श्री विनोद देवसरिया

श्रीमती सुशील रानी

रथ यात्रा (पीतमपुरा-2) के यजमान

श्री महेंद्र तायल

श्रीमती सुषमा तायल

रथ यात्रा (सैंट्रल दिल्ली) के यजमान

श्री सुशील अग्रवाल

श्रीमती शशी अग्रवाल

रथ यात्रा (भोजावाली माता) के यजमान

श्री अशोक गुप्ता एडवोकेट

श्रीमती सत्यभामा गुप्ता

रथ यात्रा (पीतमपुरा-2) के यजमान

श्री दिनेश गुप्ता

श्रीमती उर्मिला गुप्ता

रथ यात्रा (गुरुग्राम) के यजमान

श्री जगदीश बगड़िया

श्रीमती रमा बगड़िया

रथ यात्रा (West NCR) के यजमान

श्री सूर्य कांत गुप्ता

श्रीमती माला गुप्ता

रथ यात्रा (शालीमार बाग) के यजमान

श्री सुनील तायल

श्रीमती नीना तायल

रथ यात्रा (फरीदाबाद) के यजमान

श्री संदीप गर्ग

श्रीमती नीतू गर्ग

रथ यात्रा (रोहिणी-2) के यजमान

श्री अमित सिंघल

श्रीमती पूजा सिंघल

रथ यात्रा (कमला नगर) के यजमान

श्री आदीश्वर गुप्ता

श्रीमती शशि गुप्ता

रथ यात्रा (South Delhi) के यजमान

श्री रमेश अग्रवाल

श्रीमती मंजू अग्रवाल

रथ यात्रा (रोहिणी-1) के यजमान

श्री संजय जैन

श्रीमती सुमन जैन

रथ यात्रा (North NCR) के यजमान

श्री हंसराज रल्हन

श्रीमती राज रानी रल्हन

रथ यात्रा (EAST NCR) के यजमान

श्री दीपक बिंदल

श्रीमती रश्मि बिंदल

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) की मुख्य मासिक पत्रिका

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सम्पादक

जगत नारायण भारद्वाज

सह-सम्पादक

सुनीता शर्मा व मनीष गोयल

प्रबंध-सम्पादक

सुश्री मंजीत मरवाहा

कार्यालय

भिवानी परिवार मैत्री संघ, पंजीकृत (BPMS)

एफ-6, कोहली प्लाजा, सी यू ब्लॉक, उत्तरी पीतमपुरा, दिल्ली-110034

दूरभाष : 9999305530, E-mail: admin@ebhiwani.com

http://www.ebhiwani.com

भिवानी के साहित्यकार

डॉ. मनोज भारत

नाम : डॉ मनोज भारत
जन्म : जनवरी 23, 1972
शिक्षा : बी.एससी., बी.एड, पी.एच.डी.(हिंदी)

प्रकाशन :-

1. कांटों की सुगंध (काव्य-संग्रह)
2. आओ सपने बुन लेते हैं (काव्य-संग्रह)
3. श्रीमद्भगवद्गीता (गीता दोहावली) के 4 संस्करण प्रकाशित
4. उदयभानु हंस की सांस्कृतिक संसृति (शोध-प्रबंध)
5. सांस्कृतिक अनुशीलन और रमाकांत दीक्षित (आलोचना) हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा श्रेष्ठ कृति सम्मान प्राप्त कृति
6. जयलाल दास : जीवन चरित (जीवनी)
7. आनंद प्रकाश आर्टिस्ट के हरियाणवी गीतों में संवेदनात्मक अभिव्यक्ति (आलोचना) हरियाणा सहित्य अकादमी के सौजन्य से प्रकाशित।
8. दूजा नहीं कबीर (दोहा-संग्रह)
9. अहल्या (खण्ड-काव्य)
10. कुछ कही-कुछ अनकही (काव्य-संग्रह)
11. जो पढ़ा, जैसा लगा (समीक्षा संग्रह)

पाठ्य पुस्तकें :-

1. वर्षा ऋतु हिंदी व्याकरण (प्राथमिक)
2. व्याकरण कुञ्ज, भाग-1 से 8
3. हरियाणा शिक्षा विभाग द्वारा भट्ठा पाठशालाओं के लिए हिंदी की पुस्तक शिक्षा सेतु-2, में सम्पादन सहभागिता।

सम्पादन :-

धरा के बोल (काव्य संग्रह)
धरती की उडान (लघुकथा संग्रह)
आलोक-पथ (शिक्षा-साहित्य-संस्कृति को समर्पित मासिक पत्र का 4 वर्षों तक)
सुगंध परिवेश की (सामूहिक काव्य सङ्कलन)

सम्मान-उपलब्धियां :-

-हरियाणा शिक्षा विभाग द्वारा प्राथमिक एडुसैट हेतु 16 और माध्यमिक एडुसैट हेतु 30 से अधिक आलेखों का प्रस्तुतिकरण व प्रसारण।
-आकाशवाणी रोहतक, हिसार से दूरदर्शन व कई निजी टेलीविजन चैनल्स से काव्यपाठ और वार्ताओं का समय समय पर प्रसारण।
-देश-भर में सम्मानित कवि के रूप में काव्य पाठ और साहित्यिक संगोष्ठियों और कार्यशालाओं में सहभागिता।
-अनेक राष्ट्रीय साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं में शोध-आलेख, रचनाओं, समीक्षाओं का प्रकाशन।
-राष्ट्रीय स्तर पर साहित्य के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्था अखिल भारतीय साहित्य परिषद की हरियाणा इकाई में पूर्व प्रांतीय महामन्त्री तथा वर्तमान में प्रान्तीय संगठन मंत्री के दायित्व का निर्वहन।
-रबीन्द्रनाथटैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल में समग्र साहित्य पर पी.एच.डी. उपाधि हेतु शोध जारी।

कार्यक्षेत्र :

अध्यापन, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, ढाणी खुशहाल (भिवानी)

सम्पर्क:- अक्षरम, भारत शिक्षा सदन
हनुमान गेट, भिवानी-127021
मो:94764 80000, 94164 80000
अणुडाक: bssbhiwani@yahoo.co.in

प्रस्तुति :
श्री सचिन मेहता
7988010075

स्मृति शेष

भिवानी परिवार दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है

श्री पवन कुमार अग्रवाल (5 सितम्बर 2021)

सम्पादकीय

श्री जगत नारायण भारद्वाज
9416376123

भारतवर्ष का विभाजन कहूं या स्वतंत्रता? जो भी कुछ कहा जाए इस लक्ष्य तक पहुंचने में कितने ही मां के लालों ने अपने जीवन की आहुति दी है। आंकड़े जुटाना असंभव है। इस स्वतंत्रता आंदोलन में भिवानी के लोगों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी ऐसी विभूतियों ने समाज को अपने सामाजिक संबंधों से प्रभावित किया है।

एक व्यक्तित्व हुए हैं श्री फतेहचंद आर्य। मूलत: आपका जन्म बेरी जिला झज्जर में हुआ था। आपके सुपुत्र प्रो.सतीश आर्य ने बताया कि इनका जन्म वर्ष 1909-1910 रहा होगा। हां! उनकी स्मृति में श्री फतेह चन्द आर्य जी, बाबू बनारसी दास गुप्ता जी एवं अन्य विभूतियों के अतिरिक्त स्वयं सतीश आर्य को संस्मरण खूब याद हैं। युवावस्था से ही बेरी में पण्डित भगवत दयाल शर्मा, प्रो.शेर सिंह, हरगुलाल गुप्ता, हरनारायण, हरिसिंह राठी आदि स्वतंत्रता सेनानियों के साथ इनका संसर्ग रहा। एक बार तो पुलिस की दबिश इनके घर पर हुई तो इनके पिताजी ने फतेहचंद जी को घर में बंद कर दिया। पुलिस ने आकर कहा कि हमारा काम आपने कर दिया। अब इन्हें आप घर से मत निकलने देना। इन्होंने अपने पिता को कहा कि मुझे आप बंधनमुक्त कर दो अन्यथा जब भी मुझे आप कमरे से निकालोगे तो मैं कुंए में डूब कर मर जाऊंगा। तब जाकर इन्हें घर से बंधनमुक्त किया। उसके बाद ये परिवार सहित डालावास (बाढड़ा) आकर बस गए। अब क्या था? यहां भी आर्यसमाज, लोहारू नबाब के विरुद्ध अपनाआंदोलन चला रहा था। यहां भी आप चौधरी निहाल सिंह तक्षक, राजेंद्र जैन, नानकचंद, मंगलाराम आदि से मिलकर आंदोलन में भाग लेने लगे। यहां पर बाबू बनारसी दास गुप्ता जी से इनका मेल हो गया। आप प्रजामंडल के आंदोलन में सक्रिय रूप से जुड़ गए। पुलिस की नज़र इन पर पहले से ही थी। इनको बाबू बनारसी दास गुप्ता जी के साथ छह महीने के लिए जींद जेल में बन्द कर दिया। इनकी गतिविधियों पर अंकुश सा लग गया। जेल में इनके पांवों में बेड़ियां डालकर इनको कोल्हू में जोतते थे। फिर भी ये मस्ती में रहते थे। फतेहचंद आर्य जी को जेल में सर्दी बहुत लगती थी। बनारसी दास गुप्ता जी ने जेल के अधिकारी से कहा कि

फतेहचंद जी को आप दो रोटी बेशक कम दे देना परंतु इन्हें कम्बल 2 ज्यादा दे दो।

खैर! इन जैसी विभूतियों के कारण ही हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। प्रख्यात उद्योगपति जी डी बिरला स्वतंत्रता सेनानियों को आर्थिक मदद देते रहते थे। इन सबके कहने से उन्होंने मजदूरों के बच्चों की शिक्षा के लिए सन 1940-1941 में टी आई टी स्कूल भी बना दिया। ताकि इन सेनानियों को भी रोजगार उपलब्ध हो सके। टी आई टी मिल यहां पहले से ही था। स्कूल खुल जाने से भिवानी के शिक्षा जगत में एक क्रांति सी आ गई। इस कार्य में बाबू बनारसी दास गुप्ता जी की धर्मपत्नी श्रीमती द्रौपदी जी का बहुत सक्रिय सहयोग रहा। इस स्कूल में मजदूरों के बच्चों को नि : शुल्क पढ़ाई के लिए पुस्तकें भी दी जाती थी। पूरे स्कूल की जिम्मेवारी बाबू बनारसी दास गुप्ता जी, फतेहचंद जी आर्य तथा श्रीमती द्रौपदी जी को दी गई। पुस्तकालय की जिम्मेवारी आर्य जी को दी गई। आप मजदूरों के बच्चों के अतिरिक्त भी नगर के अन्य गरीब विद्यार्थियों को पुस्तकें दे देते थे। आज भी उनके अनेक कृपापात्र विद्यार्थी भिवानी व आस पास के गांवों में मिल जाते हैं। टी आई टी स्कूल के प्रति आप जब तक जीवित रहे तब तक इस विद्यामंदिर के प्रति उनकी अटूट आस्था रही। वे प्रत्येक दीपावली के दिन घर के अतिरिक्त एक दीपक टी आई टी स्कूल पर अवश्य जलाकर आते थे। सरकार ने इन्हें तीन ताम्रपत्र दिए। पहला ताम्रपत्र चौधरी देवीलाल, बी डी गुप्ता के साथ1974 में दिया गया था। इनका हिंदी भाषा के प्रति अटूट प्रेम था।

उनका यह नश्वर शरीर 21 जनवरी 1985 को परलोक में चला गया। उनके दिए गए संस्कार उनके सुपुत्र प्रो. सतीश आर्य जी में प्रत्यक्ष देखे जाते हैं। भिवानी के अनेक नागरिक आज भी उनके पारमार्थिक किस्से सुनाते हुए मिल जाते हैं।

जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री नरेश कुमार जैन
संरक्षक सदस्य
5 अक्टूबर

श्री संजय अग्रवाल
संरक्षक सदस्य
12 अक्टूबर

श्री राजकुमार सिंघल
संरक्षक सदस्य
17 अक्टूबर

श्री अनिल सर्राफ
संरक्षक सदस्य
19 अक्टूबर

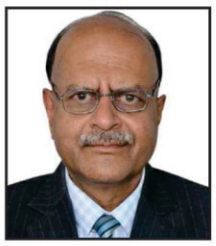

भिवानी गौरव
प्रो. संजीव मित्तल
23 अक्टूबर

श्री अशोक कुमार गुप्ता
संरक्षक सदस्य
27 अक्टूबर

श्री अरुण गोयल
संरक्षक सदस्य
29 अक्टूबर

चिकित्सक के साथ-साथ पशु प्रेमी भी है डॉ. कुलदीप सूद

डॉ. कुलदीप सूद

जिंदगी की मुश्किल और कठिन राहों पर हंसते मुस्कुराते जो कांटो में भी फूल खिला दे, ऐसी तेजस्विनी हैं, हमारी आज की शख्सियत डॉक्टर कुलदीप सूद। पेशे से डॉक्टर कुलदीप सूद अपने में अनेक रंग-बिरंगे व्यक्तित्व को समेटे हुए हैं। उनके स्वभाव में एक अजीब सी आत्मीयता और मिठास है, जो सभी को अपनी और आकर्षित करती है। एक डॉक्टर होते हुए भी उनकी आत्मा में एक सच्चा कलाकार बसता है, जो उनके व्यक्तित्व में चार चांद लगाता है। उनकी उंगलियां जहां अल्ट्रासाउंड की मशीन पर अपने पेशे के साथ सौ प्रतिशत न्याय करती हैं, वहीं आधुनिकता की दौड़ में फुर्सत के क्षणों में वही उंगलियां जिंदगी के कैनवास पर अद्भुत रंगों से चित्रकारी भी करती है। भारतीयता के अपने संपूर्ण लिबास में उनके जमीन से जुड़े होने की महक सभी को सुवासित करती है। निरंतर सीखने की ललक ने उन्हें एक डॉक्टर के साथ-साथ एक अच्छा चित्रकार और संगीतकार भी बनाया है। एक अच्छी कार्यशैली समाज के लोगों के साथ अच्छा व्यवहार और कठिन परिश्रम एक साधारण इंसान को भी विशेष बना देती है । इसका जीता जागता प्रमाण है, डॉ. कुलदीप सूद। प्रभात अल्ट्रासाउंड के नाम से प्रसिद्ध उनका कार्यक्षेत्र अद्वितीय है और, पूरे समाज के लिए सेवाभाव सराहनीय । उत्तर प्रदेश के अमरोहा से भिवानी तक की उनकी यात्रा शानदार रही है। पिता रणजीत सिंह और मां गुरदीप कौर जी की संतान डॉक्टर कुलदीप में अपने माता पिता के संस्कार साफ झलकते हैं। आज वह स्वयं एक संपन्न व शानदार परिवार की सूत्रधार है, अपने आंचल में भारतीय संस्कृति व परंपरा को समेटे बेहद खूबसूरती से वह अपने रीति-रिवाजों का निर्वहन करती है। डॉ. कुलदीप सूद का विवाह डॉक्टर विक्रम सूद के साथ हुआ जो अपने कार्यक्षेत्र में बहुत मेहनत के साथ कार्य कर रहे हैं। अपनी सभी उपलब्धियों का श्रेय डॉक्टर कुलदीप अपने पति विक्रम सूद को देती हैं, क्योंकि जीवन में उन्होंने जितना सीखा उसमें उनका बहुत बड़ा हाथ है डॉक्टर कुलदीप सूद का मानना कि जीवन में प्रत्येक दिन कुछ न कुछ सीखते रहना चाहिए, क्योंकि निरंतर सीखने की चाह आप में एक नया जुनून और जोश भरती है। केमिकल इंजीनियर रंजीत सिंह जी की बेटी कुलदीप सूद के परिवार में उनकी पुत्रवधू, बेटा व बिटिया सभी चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े हैं। बेटी ज्योति प्रिया सूद एक दंत चिकित्सक होने के साथ-साथ वर्ष 2011 में मिस इंडिया की फाइनलिस्ट रह चुकी हैं। संगीत को अपने परिवार के बेहद करीब मानने वाली डॉ. कुलदीप सूद स्वयं भी संगीत से प्यार करती हैं क्योंकि वह खुद इस क्षेत्र में गोल्ड मेडलिस्ट है। निरंतर सीखने की उनकी उमंग का परिणाम यह है कि आज भी नियमित रूप से योग और संगीत की शिक्षा ले रही हैं, इन सबके अतिरिक्त अपने क्षेत्र में वह जानी जाती हैं एक पशुप्रेमी के रूप में। अपने आसपास के लावारिस पशुओं की देखभाल और स्ट्रीट डॉग्स के प्रति उनकी संवेदना जगजाहिर है। भिवानी शहर के सभी विद्यालयों महाविद्यालय के बच्चों व स्टाफ की बीच वह एक चर्चित और लोकप्रिय चेहरा है। यूथ फेस्टिवल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों और युवापीढ़ी के लिए किसी भी प्रकार के कार्य और प्रयोजनों में उनके अमिट हस्ताक्षर होते हैं। निश्चल भाव से साधारण से साधारण व्यक्ति से उनका जुड़ाव काबिले तारीफ है। संगीत के प्रति उनका समर्पण इतना कि वृंदावन के अनेक कार्यक्रमों में राधा कृष्ण के भक्तिगीत व भजनों के लिए, वह एक श्रेष्ठ आमंत्रित कलाकारों की श्रेणी में आती हैं। अपनी युवावस्था में राज्य स्तर पर बैडमिंटन खिलाड़ी रह चुकी डॉ कुलदीप सूद विभिन्न रंगों से सजा वह व्यक्तित्व है जिसकी महक समाज के प्रत्येक कोने को महका रही है।

युवापीढ़ी और बच्चों के लिए वो एक आदर्श है तथा पूरे समाज में उनकी उपस्थिति उनका कार्य अपने आप में अनूठा और अप्रतिम।

प्रस्तुति :
श्रीमती अनिता नाथ
9896517300

भिवानी परिवार मैत्री संघ की सितम्बर माह की गतिविधियां

5 सितम्बर के वेबिनार में Mrs. Sonam Saluja द्वारा Multiple Intelligence Analysis विषय पर क्लास का आयोजन किया गया।

(5 सितम्बर)

आजादी के अमृत कलश में 75 बूंदे भिवानी की, कार्यक्रम की श्रृंखला में भिवानी परिवार मैत्री संघ ने आइपेक्स भवन वेलफेयर सोसाइटी के साथ मिलकर एक भव्य कवि गोष्ठी का आयोजन किया, जो कि कवि श्रेष्ठ महावीर मधुप जी को समर्पित थी ।

परमपूज्य डॉ. पवन सिन्हागुरु जी के निर्देशन में पावन चिंतन धारा आश्रम द्वारा संचालित यूथ अवेकनिंग मिशन और भिवानी परिवार मैत्री संघ के तत्वाधान में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित नि:शुल्क टीकाकरण शिविर लगाया गया साथ ही, रक्त दान शिविर, पुस्तक मेला एवं पर्यावरण के संरक्षण व संवर्धन हेतु लगभग 300 वृक्ष भी रोपित किए गए।

12 सितम्बर के वेबिनार में CA Shalu Garg द्वारा Trademark Benefits विषय पर क्लास का आयोजन किया गया और ट्रेडमार्क की पूरी जानकारी दी गयी।

12 सितम्बर को आयोजित कार्यक्रम की श्रृंखला में मैमोग्राफी, रक्तदान शिविर, मेडिकल हेल्थ चेकअप कैंप एवं पुस्तक मेला आयोजित किया गया।

पहला ऑफलाइन सेमिनार

साप्ताहिक बिजनेस पाठशाला के अंतर्गत 19 सितम्बर को एक लम्बे अंतराल के बाद पहला ऑफलाइन सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें अजय भाई जी ने 'व्यवहार और व्यापार' विषय पर बताया कि आपके व्यापार में व्यवहार का कितना उपयोग है।

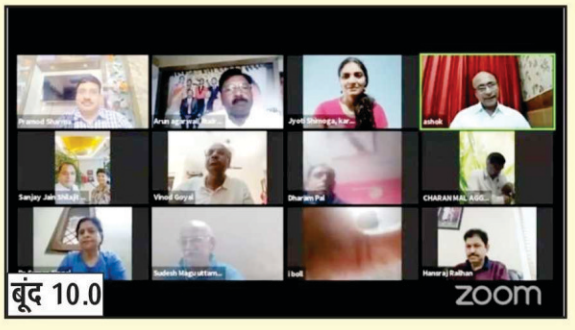

26 सितम्बर के वेबिनार में डॉ. अशोक बत्रा द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में बिजनेस और हिंदी विषय पर चर्चा की गई और हिंदी का महत्व बताया गया।

मेरी कलम से

वेदों में संगीत का महत्व

सुश्री मंजीत मरवाहा

सृष्टि के कल्याण तथा व्यवस्थित संचालन के लिए परमपिता परमेश्वर द्वारा सृष्टि के प्रारंभ से ही दिए गए ज्ञान के भंडार को 'वेद' कहा जाता है। वेद दुनिया के प्रथम धर्मग्रन्थ है। वेद ईश्वर द्वारा ऋषियों को सुनाए गए ज्ञान पर आधारित हैं इसीलिए इसे 'श्रुति' कहा गया है। सामान्य भाषा में वेद का अर्थ है 'ज्ञान'। वेद पुरातन ज्ञान विज्ञान का अथाह भण्डार है। वेदों में ईश्वर, ब्रह्मांड, भूगोल रीति रिवाज इत्यादि लगभग सभी विषयों से सम्बन्धित ज्ञान भरा पड़ा है। शतपथ ब्राह्मण के श्लोक के अनुसार अग्नि, वायु, आदित्य एवं अंगीरा ने तपस्या की और चार वेदों को प्राप्त किया। चार वेदों ऋगवेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद का अपना विशेष महत्व है। इनमें से सामवेद ही वेदों का संगीत प्रधान भाग है। प्राचीन भारत में आर्यों द्वारा सामवेद के पदों का स्वर सहित गायन किया जाता था जिसे 'साम गान' कहते हैं। आकार, प्रकार और वर्ण्य विषय की दृष्टि से सामवेद चारों वेदों में सबसे छोटा है। इस वेद में कुल 1875 मंत्र हैं। सामवेद में शेष तीनों वेदों के बहुत से मंत्रों का संकलन है। मूलरूप से सामवेद में नए मंत्र मात्र 69 है। बाकी सारे मंत्र अन्य तीनों वेदों से लिए गए हैं। मान्यता और महत्व की दृष्टि से इस वेद की प्रतिष्ठा सबसे अधिक है। इस वेद की गरिमा, महिमा का परिचय इसी प्रसंग से मिल जाता है कि श्री मद् भगवत गीता में भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को अपना वैभव बताते हुए कहा है.

वेदानां सामवेदोस्मि, अर्थात वेदो में मैं सामवेद हूं।

वास्तव में सामवेद तीनों वेदों के सारांश स्वरूप है। सामवेद संचिता के दो भाग हैं आर्चिक और गान।

सामवेद गीत संगीत प्रधान है। प्राचीन आर्यों द्वारा साम गान किया जाता था।

वेदों में संगीत में प्रयुक्त मुख्य तीन स्वर, सम-विषम, मंत्रोच्चारण मुद्राएं वीणा-दुंदुभी इत्यादि वाद्य का प्रयोग होता था वाद्यों को स्वर में मिलाना, नृत्य प्रदर्शन इत्यादि का वर्णन है। ये सभी विषय ऐसे हैं जो वेदों में संगीत की वैज्ञानिकता को दर्शाते हैं। वेदों में संगीत की वैज्ञानिकता सर्वथा प्रासंगिक है। सामवेद से संगीत की उत्पति हुई। वैदिक ऋषियों ने वेदों पर अनुसंधान से सात स्वर खोजे। संसार में सबसे प्राचीन संगीत सामवेद में मिलता है। उस समय स्वर को 'यम' कहते थे। साम का स्वर हो इतना घनिष्ठ सम्बन्ध है कि साम को स्वर का पर्याय समझा जाने लगा। छंदोपनिषद में यह बात प्रश्नोत्तर के रूप् में स्पष्ट की गई है।

'का साम्नो गतिरिति' स्वर इति हो वाच।

प्रश्न-साम की गति क्या है?

उत्तर-स्वर ! साम का 'स्व'। अपनापन 'स्वर'

वैदिक काल में तीन स्वरों पर गान होता था। गान करने वाला 'सामिक' कहलाता था। पहले तीन स्वर थे-

'ग''रे''सा'। वैदिक ऋषियों ने वेदों पर अनुसंधान से सात स्वर खोजे। उन्हें मंत्रों के गायन के लिए प्रयुक्त किया कि इस स्वर में यह छंद का गायन करना चाहिए। सात स्वरों का विवरण पिंगलाचार्य अपने वेद शास्त्र में देते हैं।

'षड्ज र्षय, गान्धार माध्यम, पंचमा धैवता निषादो अर्थात् -सा रे गा म पा ध नी।

पहले ग रे सा अवरोही क्रम में प्राप्त हुआ उसक बाद नी की प्राप्ति हुई जिसे चतुर्थ कहा। अधिकतर साम इन्हीं चार स्वरों पर सामवेद से संगीत की उत्पति हुई। वैदिक ऋषियों ने वेदों पर अनुसंधान से सात स्वर खोजे। संसार में सबसे प्राचीन संगीत सामवेद में मिलता है। उस समय स्वर को 'यम' कहते थे। साम का स्वर हो इतना घनिष्ठ सम्बन्ध है कि साम को स्वर का पर्याय समझा जाने लगा। छंदोपनिषद में यह बात प्रश्नोत्तर के रूप में स्पष्ट की गई है। म से एक ऊंचा स्वर 'मध्यम' प्राप्त हुआ जिसका नाम 'कुष्ट' (जोर से उच्चारित) रखा गया। निषाद के नीचे का एक स्वर प्राप्त हुआ उसे 'मंद' कहा गया। उससे भी नीचे के स्वर की प्राप्ति हुई तो उसे 'अतिस्वर' कहा जिसका अर्थ ध्वनन करने की अंतिम सीमा।

स्वरों का नियमित क्रम समूह साम कहलाता है। यूरापीयन संगीत में इसे स्केल कहते है।

साम का ग्राम अवरोही क्रम का पा

सामवेद का पाठन पठन, अध्ययन करने वाला विद्वान 'उदगाता' कहलाता है। अग्नि पुराण के अनुसार सामवेद के भिन्न-भिन्न मंत्रों से विधिवत जप आदि से भिन्न भिन्न रोगों से बचा जा सकता है।

ज्ञानयोग, कर्मयोग, भक्तियोग का संगम है सामवेद। सारांश में यही कहा जा सकता है कि विश्व की किसी भी विद्या का ज्ञान वेदों से बाहर नहीं है। आवश्यकता है हमें इन वेदों को जानने और समझने की।

व्रत-त्योहार अक्टूबर 2021

- पितृपक्ष (महालय) समाप्त बुधवार 6 अक्टूबर
- शारदीय नवरात्र प्रारंभ गुरुवार 7 अक्टूबर
- दुर्गाष्टमी, महाअष्टमी बुधवार 13 अक्टूबर
- दुर्गानवमी, महानवमी गुरुवार 14 अक्टूबर
- विजयादशमी (दशहरा) शुक्रवार 15 अक्टूबर
- शरद पूर्णिमा मंगलवार 19 अक्टूबर
- महर्षि बाल्मीकि जयंती बुधवार 20 अक्टूबर
- करवा चौथ रविवार 24 अक्टूबर
- अहोई अष्टमी गुरुवार 28 अक्टूबर

चेतन वाणी

श्री राजेश चेतन

शेर सवारी हे महतारी जगदम्बा
गौरी दुर्गा कारी कारी जगदम्बा

नवरात्र में पूजन आराधन करते
सारा जग माँ है बलिहारी जगदम्बा

बावन पीठों से माता हरदिन गूंजे
जय जय जयकार तुम्हारी जगदम्बा

त्रिपुरारी से ब्याह रचाया शक्ति ने
भोले बाबा को है प्यारी जगदम्बा

घर घर में है रूप तुम्हारा कंचक में
गूंज रही बनकर किलकारी जगदम्बा

दुष्टों का संहार किया हरदम मैया
आओ फिर से सिंह सवारी जगदम्बा

लव जिहाद में फंसी बेटियां चीख रही
दर दर घूमें ये दुखियारी जगदम्बा

आतंकी भी घात लगाये बैठे हैं
धर्म युद्ध है उनसे जारी जगदम्बा

भिवानी से दिल्ली को मां जोड़ रहे
सारा कुल तुझ पर बलिहारी जगदम्बा

सेवा समितियां

भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा संस्था के कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिन समितियों का गठन किया गया है उनका विवरण इस प्रकार है।

BHIWANI PARIVAR MAITRI SANGH SOCIAL WORK COMMITTEES(15.8.2021)

	COMMETTEE NAME	CONVENER	CONTACT NO.
1	डी डी ए प्लाट एवं पंचांग समिति	श्री अरविन्द गर्ग	9811757577
2	अपना घर आश्रम समिति	श्री सांवरमल गोयल	9990541122
3	स्वास्थ्य समिति	श्री संजय गुप्ता	9996543802
4	अंगदान / देहदान समिति	श्री एन आर जैन	9711917855
5	आदर्श विवाह समिति	श्री सुनील बंसल	9560073511
6	बिजनेस पाठशाला समिति	श्री सचिन मेहता	7988010075
7	आपदा राहत समिति	श्री पंकज गुप्ता	9654909070
8	वस्त्र एवं वस्तु संग्रह समिति	श्री गोविन्द राम बंसल	9312923340
9	वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन समिति	श्रीमती सुमन जैन	9999938981
10	रोजगार समिति	श्री विनोद देवसरिया	9810311897
11	टूरिज्म समिति	श्री उमेश मित्तल	9310138001
12	हमारा बुक बैंक समिति	श्रीमती पूजा जैन	9212232753
13	पर्यावरण समिति	श्रीमती पूजा बंसल	9811326261
14	जल सेवा समिति	श्री नवीन जयहिंद	9313581995
15	कैंसर केयर समिति	श्रीमती मीनाक्षी गर्ग	9911196125
16	शिक्षा समिति	श्री संजय जैन	9811110165